श्री पुरुषोत्तम स्तुतिः (प्रह्लाद कृतं)

श्री पुरुषोत्तम स्तुतिः (प्रह्लाद कृतं)

ॐ नमः परमार्थार्थ स्थूलसूक्ष्मक्षराक्षर |
व्यक्ताव्यक्त कलातीत सकलेश निरंजन || 1 ||

गुणांजन गुणाधार निर्गुणात्मन् गुणस्थिर |
मूर्तामूर्त महामूर्ते सूक्ष्ममूर्ते स्फुटास्फुट || 2 ||

करालसौम्यरूपात्मन् विद्याविद्यालयाच्युत |
सदसद्रूप सद्भाव सदसद्भावभावन || 3 ||

नित्यानित्यप्रपंचात्मन् निष्प्रपंचामलाश्रित |
एकानेक नमस्तुभ्यं वासुदेवादिकारण || 4 ||

यः स्थूलसूक्ष्मः प्रकटः प्रकाशो
यः सर्वभूतो न च सर्वभूतः |
विश्वं यतश्चैतदविश्वहेतो-
-र्नमोऽस्तु तस्मै पुरुषोत्तमाय || 5 ||

इति श्रीविष्णुपुराणे प्रथमांशे विंशोऽध्याये प्रह्लादकृत श्री पुरुषोत्तम स्तुतिः |